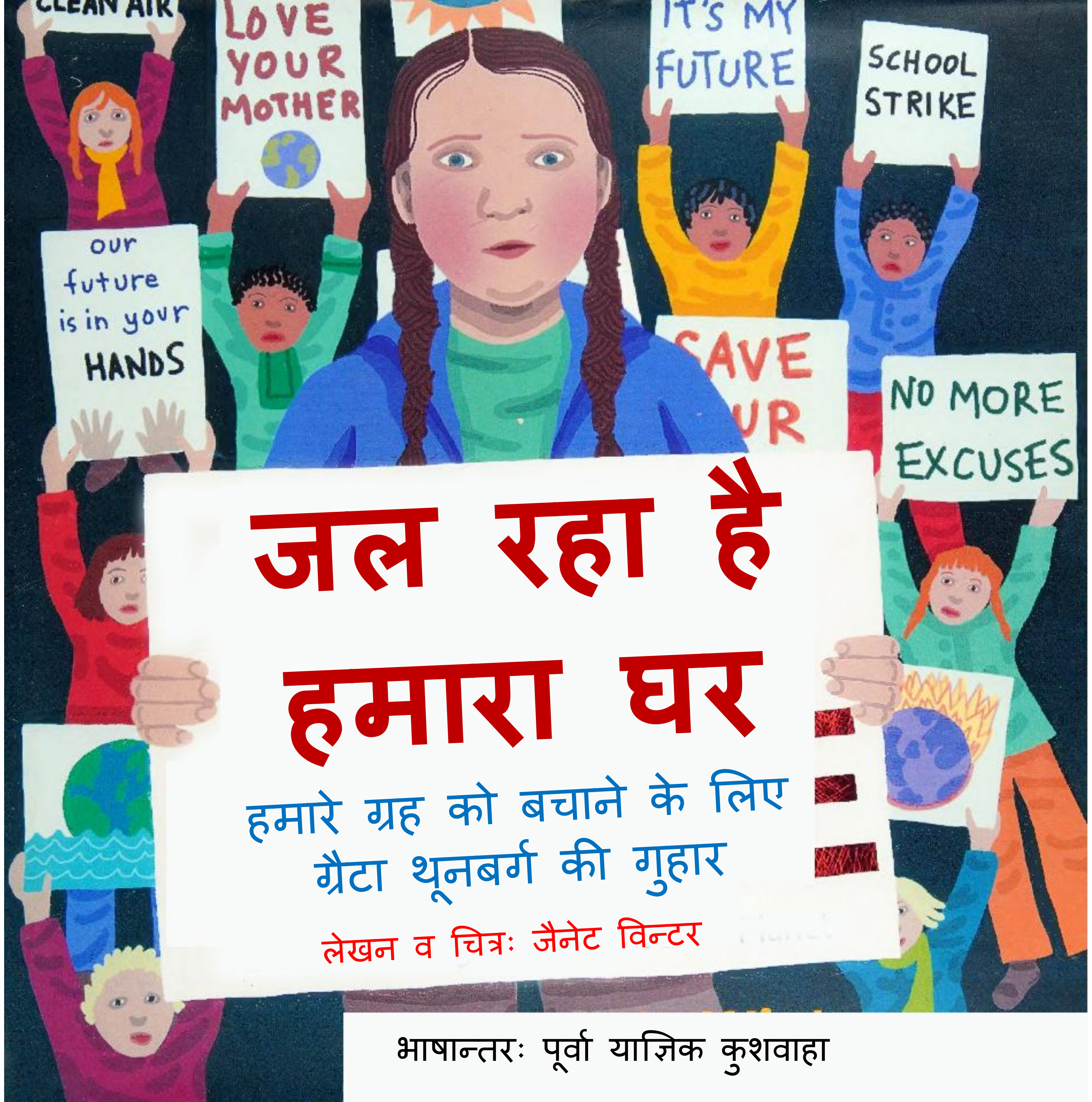


जल रहा है हमारा घर

हमारे ग्रह को बचाने के लिए ग्रैटा थूनबर्ग की गुहार

लेखन व चित्रः जैनेट विन्टर

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

हमारा पर्यावरण बदल रहा है।

हमारा ग्रह गरमाता जा रहा है।

बहुत देर हो जाए उसके पहले
क्या हम इसे रोकने के लिए
कुछ कर सकेंगे?

एक बहादुर लड़की इसकी मांग
कर रही है - और वह

दुनिया को प्रेरित भी कर रही
है।



असर डालने के लिए आप कभी बहुत छोटे नहीं होते।

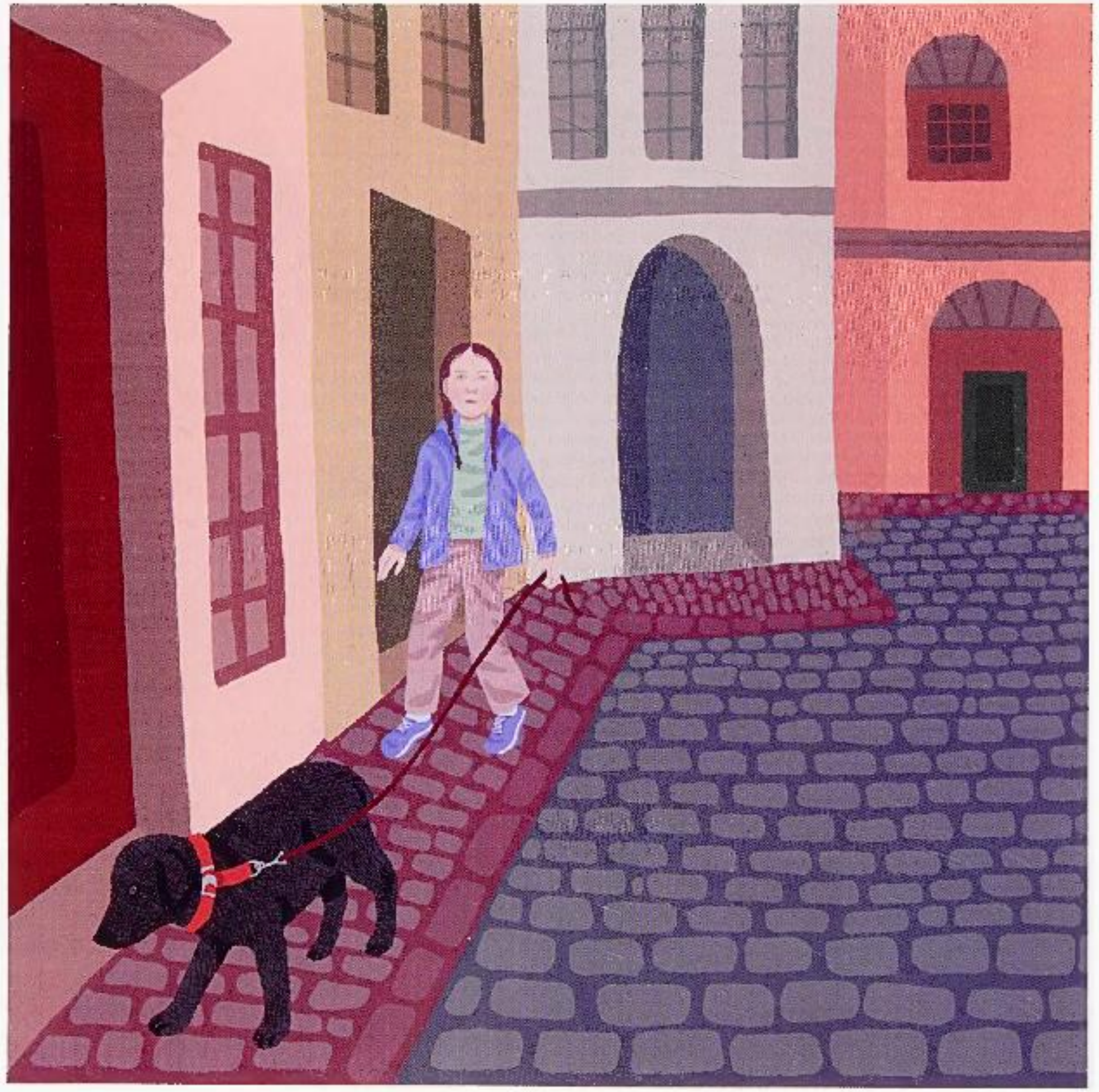
- ग्रैटा थूनबर्ग



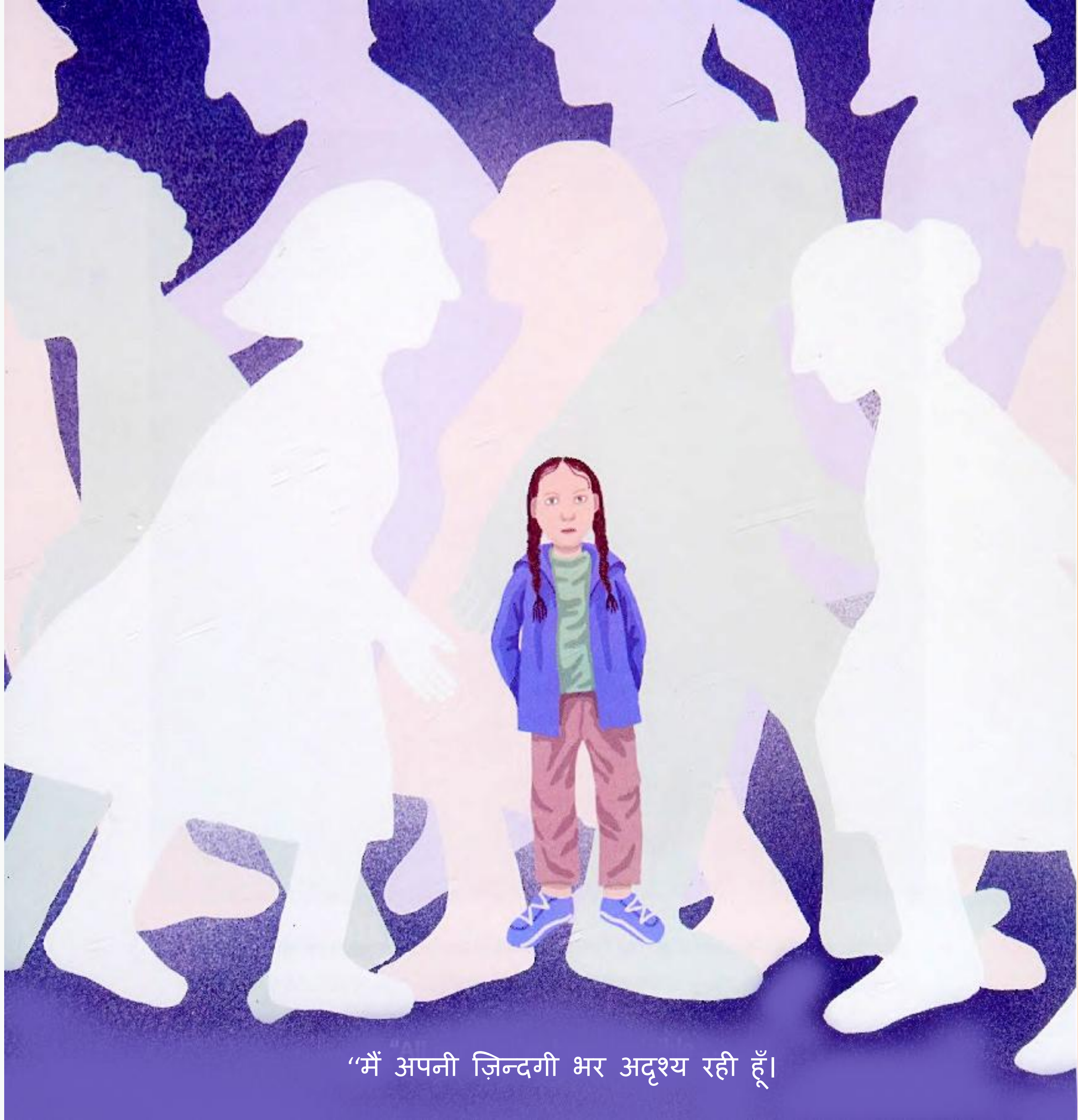
जल रहा है हमारा घर

हमारे ग्रह को बचाने के लिए ग्रैटा थूनबर्ग की गुहार

लेखन व चित्रः जैनेट विन्टर
भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



ग्रैटा एक शान्त लड़की है, जो स्टॉकहोम शहर में
एक शान्त ज़िन्दगी बिताती रही है।
उसका कुत्ता रॉक्सी उसका दोस्त है।



"मैं अपनी ज़िन्दगी भर अदृश्य रही हूँ।



. . . वह पीछे बैठी अदृश्य लड़की, जो कुछ कहती नहीं थी।
वह स्कूल में खुद को हमेशा अकेला पाती थी।



तब एक दिन ग्रैटा की शिक्षिका ने कक्षा में पर्यावरण के बारे में बात की।
उन्होंने बताया कि हमारा ग्रह गरम होता जा रहा है। ध्रुवीय बर्फ पिघल रही है।
तमाम पशुओं का जीवन ख़तरे में है। हम मनुष्यों का जीवन भी।



इस पल ने ग्रैटा के जीवन को बदल दिया।
उसने घंटों धरती के गरमाने के बारे में पढ़ा,
और फिल्में देखीं।

ग्रैटा एक ही चीज़ पर लम्बे समय तक
सोच-विचार कर सकती थी।





उसने बर्फ को पिघलते और समुद्रों को गायब होते देखा।



उसने ज़बरदस्त हवाओं को बहते और मूसलाधार बारिश को धरती पर बरसते देखा।



उसने देखा कि गहरे समुद्र में मूंगे की चट्टानें भूत सी ज़र्द
हो रही हैं, मानो गरमाते पानी ने उन्हें ब्लीच कर दिया हो।



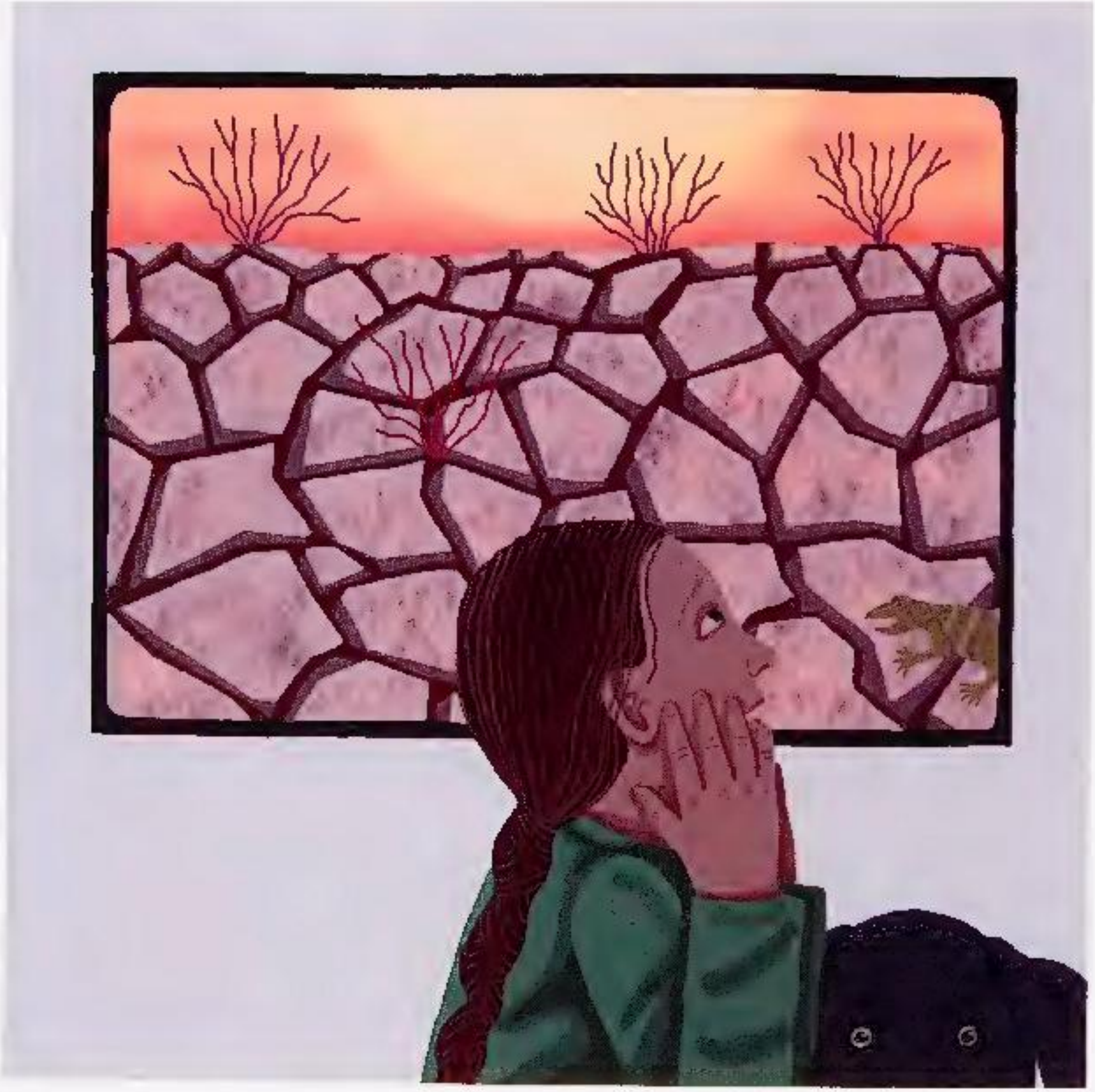
ग्रैटा ने हर जगह जानवरों को ज़िन्दा
बचे रहने के लिए संघर्ष करते देखा।



ग्रैटा ने बाढ़ को घरों
लोगों और जानवरों को डुबाते देखा।



उसने देखा कि समुद्र का बढ़ता जल-स्तर
पूरे के पूरे शहर को लील रहा है।



उसने देखा कि सूरज की प्रचण्ड गरमी
धरती को सुखाती जा रही है।



उसने दहकते दावानलों को जंगलों में लपकते देखा।

हमारा घर

जल

रहा है!



हमेशा पर्यावरण के मुद्दे पर सोचते रहने से ग्रैटा अवसाद में डूब गई।
वह न के बराबर खाती, और न के बराबर बोलती।



"मेरे दिमाग में ये तमाम चित्र मानो अटक गए थे।"
दुखद दिन लगातार चलते रहे।
हर दिन पिछले से अधिक तकलीफ़देह लगता था।
ग्रैटा को लगता कि जब तक वह बड़ी होगी पृथ्वी शायद बचेगी ही नहीं।
जब भविष्य ही न हो तो पढ़ाई का क्या फ़ायदा था?
ग्रैटा सोचती रही - मैं क्या कर सकती हूँ।





ग्रैटा ने तय किया कि वह पर्यावरण के लिए,
स्कूल से हड़ताल करेगी।



उसके माता-पिता उसकी बात समझे।



ग्रैटा एक शुक्रवार स्कूल नहीं गई। वह अपना पोस्टर ले निकली जिस पर लिखा थाः
पर्यावरण के लिए स्कूल की हड़ताल
वह अपना पोस्टर लिए संसद भवन पहुँची, और वहाँ हड़ताल पर बैठी।
उसे उम्मीद थी कि शायद कानून बनाने वाले उसे और उसके पोस्टर को देखेंगे।



लोग उसके सामने से गुज़रते रहे।
इतने व्यस्त कि किसी ने उस पर ध्यान ही नहीं दिया।
ग्रैटा वहाँ भी अदृश्य ही थी।



पर वह हर शुक्रवार संसद भवन जाती।
बरसात हो, तब भी।



तब अचानक हड़ताल की ख़बर फैली।
धीरे-धीरे अन्य स्कूलों के हड़ताली बच्चे उसके साथ जुड़े।
हर शुक्रवार स्टॉकहोम के स्कूल कुछ खाली रहने लगे।



अब ज़्यादा लोग हड़ताली बच्चों पर ध्यान देने लगे।
साइबर स्पेस में शुक्रवार के हड़ताली बच्चों की बात फैली।

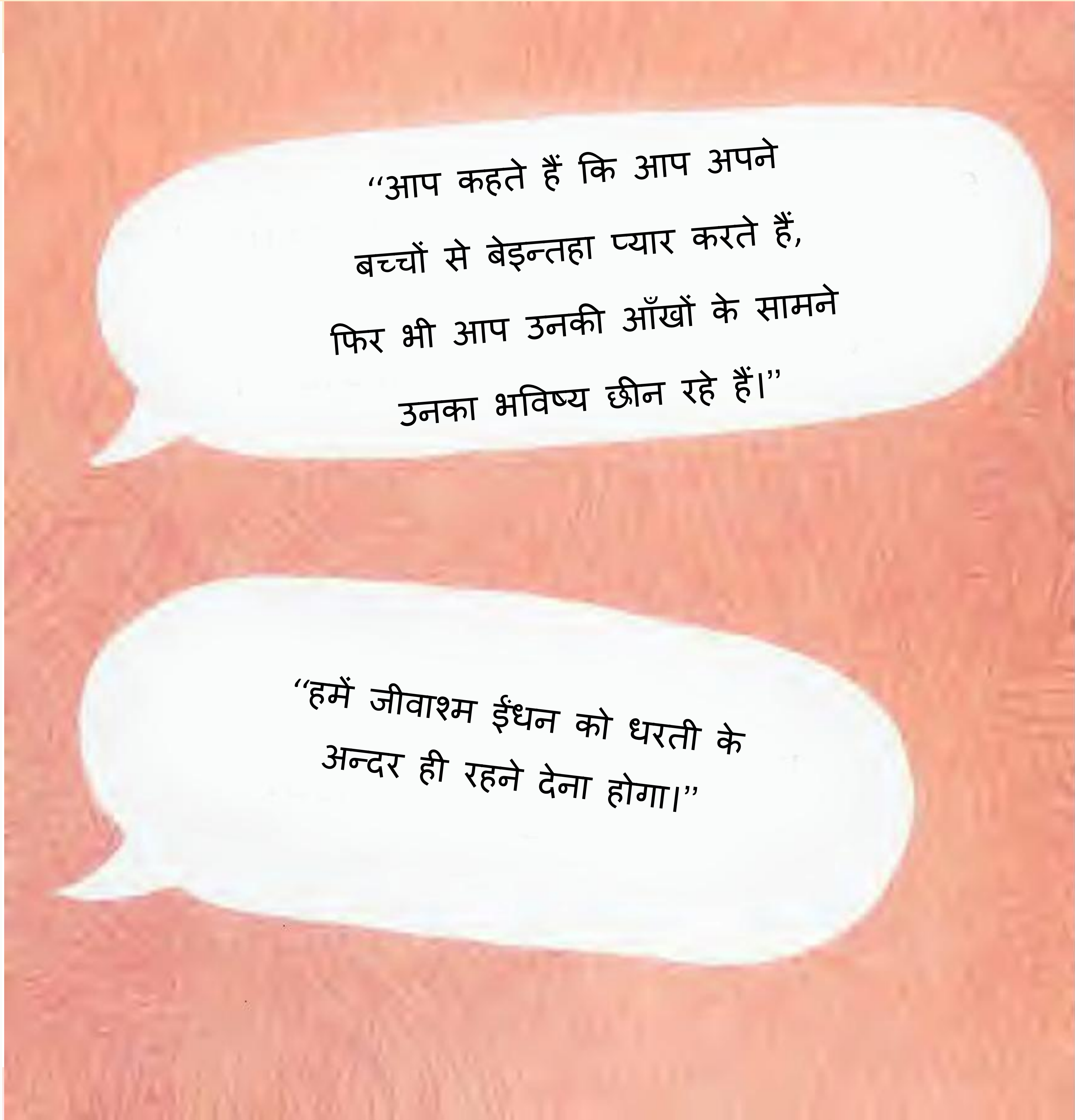


हर जगह के बच्चे हड़ताल करने लगे।
अगर वयस्क हमारे ग्रह को बचाने के लिए कुछ नहीं करेगे तो बच्चे करेंगे।

वह शान्त, चुप लड़की, जिसे हमेशा लगता था कि वह अदृश्य है, उसे संयुक्त राष्ट्र संघ ने पोलैण्ड में आयोजित पर्यावरण वार्ता में महत्वपूर्ण लोगों के सामने बोलने को बुलाया गया।



ग्रैटा न केवल वहाँ बोली, बल्कि उसे लगा कि बोलना ज़रूरी है।





उस शान्त लड़की को दावोस, स्वित्ज़रलैण्ड में आयोजित
विश्व आर्थिक फोरम में महत्वपूर्ण लोगों
से बात करने बुलाया गया।
बोलना ज़रूरी था।

"मैं नहीं चाहती कि आप आशावान रहें,
मैं चाहती हूँ कि आप घबराएं,
मैं चाहती हूँ कि आप हर दिन उस डर को महसूस करें
जिसे मैं हर दिन महसूस करती हूँ।
मैं चाहती हूँ आप वह सब करें
मानो आपका घर जल रहा हो।
क्योंकि ऐसा सच में हो रहा है।"



ग्रैटा के विरोध ने दुनिया भर के बच्चों को
विरोध करने को प्रेरित किया।
उसकी शान्त आवाज़ को हज़ारों दूसरी आवाज़ों ने एक दहाड़ बना दिया।

क्या आप हमें सुन सकते हैं?


चुप्पी नहीं विज्ञान
लाभ नहीं ग्रह
मेरे भविष्य को मत जलाओ
पानी ऊपर उठ रहा है
हम भी!
हमारा घर जल रहा है
नकारना नीति नहीं
तेल को पृथ्वी के अन्दर ही रहने दो
मेरी मदद करो
मेरे भविष्य को मत जलाओ
हमें स्वच्छ वायु चाहिए
पृथ्वी बचाओ
आवाज़ उठाओ समुद्र का जलस्तर नहीं


अपनी माँ से प्यार करो
कोयला जानलेवा है!
यह मेरा भविष्य है
स्कूली हड़ताल
हमारा भविष्य आपके हाथों में है
पृथ्वी को बचाओ
तेल को धरती के अन्दर रहने दो
बहाने बंद करो
जीवाश्म बेवकूफ न बनो
हवा पानी जंगल ज़मीन
पर्यावरण अपराध रोको
कोई दूसरी धरती नहीं है
गर्म कचरा
धरती को एक हरी झप्पी दो
अपने ग्रह को बचाओ

तुम क्या
करोगे?


अपनी माँ से प्यार करो
कोयला जानलेवा है
यह मेरा भविष्य है
स्कूली हड़ताल
हमारा भविष्य आपके हाथों में है
पृथ्वी को बचाओ
तेल को धरती के अन्दर रहने दो
बहाने बंद करो
जीवाश्म बेवकूफ न बनो
कोई दूसरी धरती नहीं है
हवा पानी जंगल ज़मीन
पर्यावरण अपराध रोको
गर्म कचरा
धरती को एक हरी झप्पी दो
अपने ग्रह को बचाओ